एथलेटिक्स डे के अवसर पर संस्थान के विशेष विद्यालय के छात्रों ने अपने नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान के विशेष विद्यालय के छात्रों ने स्टेट म्यूजियम, सेक्टर 10, चंडीगढ़ में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपने नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्र मुक्त कर दिया। इस कार्यक्रम में संस्थान के कुल पांच छात्रों ने हिस्सा लिया था।

संस्कृति विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के सचिव आई ए एस श्री हरि कल्लिकट वहां मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के आयोजन में संस्थान के छात्रों के सहयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने शॉर्ट नोटिस पर संस्थान के छात्रों को भेजने के लिए यहां के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया । इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को एक स्कूल बैग एवं चॉकलेट वितरित किए गए। सुश्री सीमा गेरा इस कार्यक्रम की समन्वयक थी।

संस्थान की ओर से सुश्री आशिमा, सुश्री अनीशा, एवं सुश्री शीतल ने इसका समन्वयन किया।

बच्चे बोले- साल 2047 तक देश गरीबी, भेदभाव, प्रदूषण मुक्त हो

Competition

रिपब्लिक-डे के मौके र वीरवार सेक्टर-0 के गवर्नमेंट यूजियम एंड आर्ट ैलरी में कार्यक्रम हुआ। इसमें एस्से कंपीटीशन और डांस परफॉर्मेंस हुई।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

बच्चे देश का भविष्य हैं। आने वाले समय में वे न केवल देश की तस्वीर बदलेंगे, बल्कि तरक्की में भी योगदान देंगे। लेकिन इससे पहले यह जानना जरूरी है कि भविष्य की नींव रखने वाले इन बच्चों का नजरिया क्या है। इसी सोच को बच्चे अपने शब्दों में लिखते हुए नजर आए सेक्टर-10 के गवर्नमेंट म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी के ऑडिटोरियम में। यहां वीरवार को म्यूजियम की ओर से रिपब्लिक-डे सेलिब्रेट किया गया। इसमें सबसे पहले एस्से कंपीटीशन हुआ। इसका टॉपिक था इंडिया@2047। कंपीटीशन में चंडीगढ़ के स्कूलों के आठवीं से बारहवीं क्लास के 55 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इसमें एक घंटे में एस्से के जरिए 500 शब्दों में बच्चों ने अपनी बात कही। इसमें तीन विजेता निकाले गए। पहले नंबर पर अक्षित शर्मा रहे, जिन्हें 5100 रुपए, दूसरे स्थान पर जानवी पातड़ रहीं, इन्हें 3100 रुपए और तीसरे नंबर पर रुहानी आहूजा रहीं, इन्हें 2100 रुपए ईनाम में मिले। हमने इनसे बात की और जाना कि उनकी नजर व साल 2047 में भारत को किस मुकाम और किस तरह से देखना चाहते हैं।

• यह हैं यशिका, जिन्होंने खुद तो परफॉर्म किया ही, लेकिन जब दूसरे परफॉर्म कर रहे थे तो उन्हें चीयरअप करती भी हुई नजर आईं।

• रिचा ने 'देश रंगीला' गीत पर डांस किया।

• नितिन ने 'फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी' गाने पर प्रस्तुति दी।

• निशा ने बॉलीवुड सॉन्ग 'ये मेरा इंडिया' और दीक्षा ने 'जहां पांव में पायल' पर परफॉर्म किया।

• साहिबजीत खैरा ने 'कहते हमको प्यार से इंडिया वाले' गाने पर परफॉर्मेंस दी।

ये मेरा इंडिया, आई लव माय इंडिया

कार्यक्रम के दूसरे भाग में डांस परफॉर्मेंस देखने को मिली। इसमें एक ओर देशभक्ति से जुड़े गाने थे, जिनपर स्पेशल स्टूडेंट्स ने परफॉर्मेंस दी। ये बच्चे ग्रिड सेक्टर-31 और साधना सोसायटी फॉर द मेंटली हैंडिकैप्ड, मनीमाजरा के थे। हर एक की परफॉर्मेंस बहुत खास थी, क्योंकि दिल से जो डांस कर रहे थे। न मंच पर जाने का डर, न इस बात का खौफ कि कोई क्या कहेगा। बल्कि वे एक-दूसरे को मोटिवेट करते हुए नजर आए। यशिका, नितिन, निशा, दीक्षा, साहिबजीत ने डांस किया, जिसे तैयार करवाया आशिमा शर्मा ने। साधना सोसायटी से रिचा ने डांस किया और गौतम चावला ने गीत सुनाए।

ये बोले स्टूडेंट्स

साल 2047 में अपने देश को ऐसे देखना चाहता हूं कि पॉल्यूशन में कंट्रोल हो, पर्यावरण साफ-सुथरा रहे। आने वाली पीढ़ी को भी हमें कुछ देकर जाना है। मैं तो अपने देश को भविष्य में ग्लोबल लीडर के तौर पर भी देखना चाहता हूं। यह सब मैंने लिखा भी था।
– अक्षित शर्मा, उम्र- 15 साल

साल 2047 तक हेल्थ, एजुकेशन से लेकर बाकी सुविधाओं को पहले से बेहतर देखना चाहता हूं। अभी भी विकास हो रहा है लेकिन यह और भी तेजी से हो। जनसंख्या पर कंट्रोल हो। ऐसा समाज जहां सभी मिल-जुलकर रहें। इन प्वाइंट्स के अलावा बहुत कुछ सोचा व लिखा है।
– जानवी पातड, उम्र-16 साल

मैंने साल 2047 में अपने देश को कुछ अलग ही रूप में देखा है। एक ऐसा समाज, जिसमें भेदभाव ना हो। गरीबी दूर हो। सबके पास रोजगार हो। वुमन एम्पावरमेंट को पहले से ज्यादा बढ़ावा मिले। एआई को तेजी से बढ़ते हुए देखा है। यह सब अपने एस्से में भी लिखा था।
– रूहानी आहूजा, उम्र-15 साल

सिटी एंकर

वीरवार को एक्टर-सिंगर गुरनाम भुल्लर, एक्टर करतार चीमा और सुरभि ज्योति से बात की फिल्म नेशनल वोटर्स डे

मीडिया कवरेज

सांस्कृतिक कार्यक्रम की समन्वयक सुश्री सीमा गेरा के साथ सुश्री शीतल एवं संस्थान के छात्रगण।